केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 236 मंगलवार 25 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मुस्लिम युवतियों का हिंदू युवकों से विवाह, पढ़े गए वैदिक मंत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती के अमहट घाट स्थित शिव मंदिर में एक अनूठा विवाह समारोह संपन्न हुआ। दो मुस्लिम युवतियों ने हिंदू धर्म अपनाकर हिंदू युवकों के साथ वैदिक रीति–रिवाज से शादी की।

कलवारी थाना क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी बलवंत और साल्या का विवाह संपन्न हुआ। साल्या ने अपना नया नाम शैलजा रखा। इसी तरह सदर क्षेत्र के शैलेश ने जेबा से विवाह किया। जेबा ने अपना नाम बदलकर श्रेया रख लिया।

विवाह समारोह में दोनों वधुओं ने हिंदू परंपरा के अनुसार मेहंदी लगवाई। उन्होंने पैरों में बिछिया पहनी और सिंदूरदान की रस्म भी पूरी की। समारोह विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि सनातन धर्म की अच्छाइयों से प्रभावित होकर अन्य धर्म के लोग संपर्क कर रहे हैं। संगठन ऐसे लोगों की मदद कर रहा है। शिव मंदिर परिसर में पूरे समारोह के दौरान धार्मिक नारे लगते रहे। इस अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थीम्स मूट कोर्ट कंपटीशन में आदित्य शुक्ल की टीम को मिला प्रथम स्थान

–भारतीय बस्ती संवाददाता

मुंडेरवा,(बस्ती)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम दीक्षापार निवासी आदित्य शुक्ल ने राष्ट्रीय स्तर पर थीम्स मूट कोर्ट कंपटीशन में राम मंदिर के मुद्दे पर कई राउंड की प्रतियोगिता के उपरांत पुणे (महाराष्ट्र) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 26 टीमों का चयन किया गया था। सभी टीमों को मुंबई में आमने–सामने राम मंदिर के मुद्दे पर कंपटीशन कराया गया। तत्पश्चात आदित्य शुक्ल के नेतृत्व में टीम को प्रथम विजेता घोषित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त होने पर उच्च न्यायालय मुंबई कें सेवानिवृत्ति न्यायाधीशों ने परिणाम की घोषणा करते हुए एक लाख रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया।

बताते चलें कि क्लैट के माध्यम से विभिन्न नेशनल यूनिवर्सिटी में एलएलबी में अध्यनरत छात्रों का थीम्स मूड कोर्ट कंपटीशन कराया गया था जिसमें अधिकांशरू नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रारंभिक स्तर पर ऑनलाइन कंपटीशन कराया गया तत्पश्चात परिणाम की घोषणा के आधार पर 26 टीमों का चयन किया गया और सभी विजेता टीमों कों पुणे में आमंत्रित किया गया। आमंत्रण के दौरान नेशनल लॉ कॉलेज उड़ीसा की तरफ से बस्ती जनपद के ग्राम दीक्षापार निवासी आदित्य शुक्ल पुत्र उमाकांत शुक्ल को राम मंदिर के मुद्दे पर तथ्य परक सार्थक तर्क प्रस्तुत करने पर थीम्स मूट कोर्ट कंपटीशन में मुंबई उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश अंबा दास जोशी और जी०ए० स्नैप द्वारा सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर एक लाख रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया। विजेता टीम में अमितांशु राठ, व प्रत्यक्ष मोहती भी शामिल रहें। आदित्य शुक्ला की हाई स्कूल व इंटर की शिक्षा सेंट बेसिल स्कूल से हुई और क्लैट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत वर्ष 2024 में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी उड़ीसा में प्रवेश हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जाने पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय अध्यक्ष चंद्रिका सिंह, मंत्री बालकृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, बनकटी ब्लाक अध्यक्ष सुरेश गौड़, हृदय विकास पांडे, अशोक पांडे सहित तमाम लोगों ने बधाई दिया। और बच्चे की उज्जवल भविष्य की कामना की।

योगी सरकार के 8 वर्ष पूरे, गिनाई उपलब्धियां

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। इस मौके पर उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने सरकार की 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति' पर जोर दिया।

सीएम योगी ने कहा कि आठ साल पहले उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति क्या थी, यह किसी से छिपा नहीं है। पहले किसान आत्महत्या करता था। युवा के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश में दंगे होते थे। अराजकता का माहौल था।

आज प्रदेश वही है, तंत्र वही है, केवल सरकार बदलने से व्यापक बदलाव महसूस किया जा सकता है। पहले यूपी बीमारू राज्य माना जाता था। आज देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जा रहा है। आज हर सेक्टर में यूपी देश के विकास में ब्रेक थ्रू के रूप में देखा जा रहा है। यूपी में प्रकृति की प्रचुर मात्रा में अवसर थे। हम इसको आगे बढ़ा सकते थे। 2017 से पहले किसान आत्महत्या करता था। कृषि सेक्टर में एक वीरानी छाई हुई थी। 2017 के बाद इस क्षेत्र में काफी बदलाव हुए हैं। कृषि विकास दर 13.5 फीसदी से अधिक हुई है। इससे प्रदेश के जीडीपी में 28 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसकी शुरुआत हमारी पहली कैबिनेट में 36 हजार करोड़ की कर्जमाफी करके की गई।आज किसानों को पीएम किसान सम्मान योजना सहित हर योजना में धनराशि डीबीटी के माध्यम से जा रही है।

मण्डलायुक्त के आग्रह पर माने जिला पंचायत सदस्यः अनशन स्थगित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला पंचायत सदस्यों ने मंगलवार 25 मार्च से मण्डलायुक्त कार्यालय के समक्ष आयोजित होने वाले अनिश्चित कालीन धरने को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। यह जानकारी देते हुये जिला पंचायत सदस्य प्रमोद कुमार 'गिल्लम चौधरी' ने बताया कि 25 मार्च से समूचे प्रदेश में सेवा, सुरक्षा और सुशासन दिवस मनाया जा रहा है, ईद और नवरात्रि का पर्व है। इस सम्बन्ध में मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने भी पत्र जारी कर कहा है कि प्रकरण का शीघ ही नियमानुसार निस्तारण करा दिया जायेगा। उन्होने भी अनशन को स्थगित करने का आग्रह पत्र द्वारा किया है।

जिला पंचायत सदस्य प्रमोद कुमार 'गिल्लम चौधरी' ने बताया कि इस सम्बन्ध में जिला पंचायत सदस्यों से वार्ता के बाद निर्णय लिया गया है कि मण्डलायुक्त के पत्र और सेवा, सुरक्षा और सुशासन दिवस और पर्व, त्यौहार को देखते हुये अनशन स्थगित कर दिया गया है। यदि इसके बाद जिला पंचायत बोर्ड की कार्यवाही को शून्य कर पुनः बोर्ड की बैठक बुलाये जाने का निर्णय न लिया गया तो जिला पंचायत सदस्य मांगों के समर्थन में पुनः अनशन को बाध्य होंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी से किया शिष्टाचार भेंट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ से सोमवार को लखनऊ में वरिष्ठ भाजपा नेता अंकुर वर्मा, चेयरमैन व उनकी धर्मपत्नी नेहा वर्मा ने मुलाकात की। इस दौरान अंकुर व नेहा वर्मा ने बस्ती नगरपालिका के चौमुखी विकास का एजेंडा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। सीएम ने भरोसा दिलाया कि विकास कार्य के लिए बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री से नगरपालिका के विस्तारीकरण पर चर्चा की। नपा के विकास के लिए इसे जरूरी बताया। इस पर सीएम ने कहा कि इसे जल्द कराया जाएगा। इसके साथ ही बस्ती शहर के लिए विशेष परियोजनाओं को भी सीएम से साझा किया। उन्होंने कहा कि आप प्रस्ताव बनाकर भेजिए। बजट का प्रबंध कराया जाएगा। सीएम ने आमजन की समस्याओं व सुविधाओं का ध्यान रखते हुए और बेहतर कार्य करने को कहा। इस दौरान सीएम ने चेयरमैन के एक वर्षीय बेटे से भी स्नेहिल मुलाकात कर उसे चॉकलेट एवं खिलौना भेंट किया।

स्वैच्छिक शिविर में 22 लोगों ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सोमवार को प्लास्टिक काम्पलेक्स के निकट बटेला चौराहे पर स्थित आयुष हास्पिटल पर अभय शक्ति चैरीटेबुल ट्रस्ट अध्यक्ष अभय पाण्डेय के संयोजन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 22 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। इसके द्वारा हम किसी मरीज को जीवन दान देने का माध्यम बनते हैं। इससे शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। एक स्वस्थ व्यक्ति वर्ष में तीन से चार बार रक्तदान कर सकता है।

–रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा– डा. वी.के. वर्मा

ट्रस्ट अध्यक्ष अभय पाण्डेय ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा निरन्तर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इसमें लोग स्वेच्छा से मानवता की सेवा की दृष्टि से पुण्य के भागी बनते हैं।

बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के विजय कुमार सिंह, मुकेश गौतम, विजय कुमार शुक्ल, मुकेश कुमार ने रक्तदान प्रक्रिया में सहयोग किया।

रक्तदान करने वालों में मुख्य रूप से सिद्धू सिंह, आशुतोष त्रिपाठी, अमित निराला, नौशाद, रमेश, ज्ञान प्रकाश, शिमला, विपुल, अनूप, विक्की आदि शामिल रहे।

धोखाधड़ी कर जमीन अपने नाम कराने के मामले में पुलिस को जांच, विवेचना का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुश्तैनी जमीन को कूट रचना कर भागीरथी का पुत्र बनाकर लालजी नामक व्यक्ति के नाम खतौनी में फर्जी चढवा दिये जाने के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या 9 ने मुण्डेरवा थानाध्यक्ष को आदेशित किया है कि मामले में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना करते हुये कृत कार्यवाही से न्यायालय को अवगत कराया जाय। पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर मामले की विवेचना कर रही है। मामले की पैरवी कर रहे अधिवक्ता घनश्याम गुप्ता ने बताया कि न्यायालय ए.सी.जे.एम. प्रथम के समक्ष पारस बनाम राधेश्याम यादव के मामले में प्रकरण के अनुसार मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के बेहिल के ग्राम प्रधान राधेश्याम और उनके सहयोगी बहरैची यादव और लेखपाल उमाशंकर ने कूट रचनाकर भागीरथी के नाम पुश्तैनी जमीन को एक छद्म व्यक्ति लालजी के नाम खतौनी चढवा दिया। जब इसकी जानकारी गोरखपुर जनपद के अलेनाबाद में रह रहे बेहिल के मूल निवासी पारस को हुई तो उन्होने तहसील में आकर मामले की जानकारी लिया और मुण्डेरवा पुलिस को सूचना दिया। पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही न किये जाने पर पारस ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या 9 के समक्ष वाद प्रस्तुत किया। इस आधार पर पुलिस न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

रक्त सम्बन्ध ही नहीं, संस्कार, पारिवारिक जीवन मूल्यों, समाज, संस्कृति से सबल होते हैं संयुक्त परिवार–डा. अवधेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बस्ती नगर की महर्षि अरविंद शाखा के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा "कुटुंब मिलन" कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, रामबाग, बस्ती में किया गया। इस अवसर पर संघ के कार्यकर्ताओं, समाज के प्रबुद्ध जनों एवं उनके परिवारों ने सहभागिता की। मंचासीन अतिथियों का परिचय नगर कार्यवाह धर्मराज जी ने कराया। कार्यक्रम का संचालन शाखा कार्यवाह आशीष सिंह ने किया। इस अवसर पर भजन संध्या, अंत्याक्षरी, पति –पत्नी दोनों द्वारा परिवार परिचय आदि कार्यक्रम हुए।

मंच पर संघ के विभाग संघचालक श्री नरेंद्र भाटिया , जिला संघ चालक पवन तुलस्यान , नगर संघचालक सुनील मिश्र और विभाग प्रचारक डॉ. अवधेश की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में सुभाष शुक्ल, कुटुंब प्रबोधन प्रमुख अरविंद त्रिपाठी, गो सेवा प्रमुख अखिलेश, नीरज , दयाभान सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह, सरस्वती बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका सिंह, सरस्वती शिशु मंदिर रामबाग के प्रधानाचार्य भानु प्रताप त्रिपाठी, विद्या मंदिर के वरिष्ठ आचार्य विजय प्रताप पाठक, रंजीत सिंह, विनोद सिंह, उपेन्द्र द्विवेदी, अंकित गुप्त, राजीव श्रीवास्तव सहित धर्मराज मिश्र, चंद्र प्रकाश जी, प्रमोद जी, वीरेंद्र जी आदि सभी लोगों ने अपने परिवार का परिचय कराया और संघ कार्यों में पत्नी के सहयोग की चर्चा की। इस अवसर पर श्रीमती अनीता शुक्ला, किरन त्रिपाठी, विभा जी, अनुराधा सिंह , पूनम सिंह, गरिमा सिंह, निर्मला सिंह, अनीता मिश्रा, शांति देवी, मिथिलेश शुक्ला, सरिता श्रीवास्तवा, प्रियंका सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

–'कुटुंब मिलन' कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति और पारिवारिक जीवन मूल्यों पर विमर्श

कार्यक्रम में विभाग प्रचारक श्रीमान डॉ. अवधेश जी ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार, भारतीय भोजन, भजन, भवन निर्माण, भ्रमण, भाषा और भूषा हमारी संस्कृति की पहचान हैं। उन्होंने पारिवारिक संस्कारों, समरसता, स्वदेशी अपनाने की भावना और भारतीय मूल्यों को अपनाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि "परिवार केवल रक्त संबंधों से नहीं बनता, बल्कि यह संस्कारों, परंपराओं और मूल्यों का केंद्र होता है। यदि हम अपने जीवन में भारतीयता को पुनः स्थापित करें, तो हमारा समाज और राष्ट्र दोनों सशक्त बनेंगे।"

कार्यक्रम में उपस्थित सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे अपने परिवारों में भारतीय मूल्यों का पालन करेंगे, स्वदेशी अपनाएँगे और समाज में समरसता को बढ़ावा देंगे।

कार्यक्रम के समापन पर हनुमान चालीसा एवं आरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात सभी को भारतीय परंपरा के अनुरूप सात्विक भोजन भोजन मंत्र के साथ परोसा गया ।

जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट तबादले का विरोध, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए वकील

इलाहाबाद (आभा)। जस्टिस यशवंत वर्मा का स्थानांतरण दिल्ली से इलाहाबाद हाईकोर्ट करने का वकीलों ने जबरदस्त विरोध का ऐलान कर दिया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है। सोमवार देर शाम अध्यक्ष अनिल तिवारी के आवास पर बार पदाधिकारियों की बैठक में तय किया गया कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम का तबादले का निर्णय जब तक वापस नहीं लिया जाता है, यहां के अधिवक्ता न्यायिक कार्य नहीं करेंगे। इससे पहले जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से करोड़ों रुपये मिलने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार ने सोमवार को आम सभा की बैठक की।

बैठक में सहमति से प्रस्ताव पारित किया कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से करोड़ों रुपये मिलने के मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए और जांच पूरी होने तक उनका किसी भी दूसरे हाइकोर्ट में स्थानांतरण न किया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश उनके खिलाफ महाभियोग लाने की सिफारिश भी करे।

जजों की नियुक्ति में भाई भतीजावाद खत्म करने की मांग भी आम सभा में उठाई गई। मांग की गई कि जजों के परिवारों और रिश्तेदारों से जितने जज हैं, उनका स्थानांतरण दूसरे हाइकोर्ट में किया जाए। वकीलों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिक्त जजों के पदों को भी भरने की मांग की। आम सभा ने सोमवार को ही लंच के बाद न्यायिक कार्य से विरत रहने का प्रस्ताव पास किया और वकीलों ने काम नहीं किया।

जस्टिस वर्मा के आवास से करोड़ों की नकदी मिलने और उनका स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट किए जाने की सूचना के बाद से यहां के अधिवक्ता आंदोलित हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के स्थानांतरण की तब पुष्टि नहीं की थी लेकिन हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इसका शुरू से विरोध कर रहा है। अध्यक्ष अनिल तिवारी ने पहले ही कह दिया था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट कोई कचरे का डब्बा नहीं है। भ्रष्टाचार के आरोपी जज को यहां स्वीकार नहीं किया जाएगा। सोमवार को आम सभा की बैठक के बाद अधिवक्ता आधे दिन की हड़ताल पर चले गए थे। शाम को जस्टिस वर्मा के स्थानांतरण की पुष्टि होने के बाद ही पुनः बैठक कर अनिश्चिकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी गई।

न्यायालयों में बढ़ती दलाली और दादागिरी पर भड़के वकील

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद बार एसोसिएशन ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। अमर सेन सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में न्यायालयों में बढ़ती दलाली और दादागिरी का मुद्दा प्रमुखता से उठा।

अधिवक्ताओं ने दिल्ली में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से अरबों रुपये की बरामदगी पर गहरी नाराजगी जताई। बैठक में प्रयागराज बार एसोसिएशन के समर्थन में न्यायिक कार्य से दूर रहने का निर्णय लिया गया। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई।

वकीलों ने न्यायालयों में दलाल मुंशियों की बढ़ती दखलंदाजी पर चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि इससे न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई।बैठक में अमर सेन सिंह, ज्वाहिर मिश्र, रविशंकर शुक्ला समेत कई प्रमुख अधिवक्ताओं ने हिस्सा लिया। सभी ने एकमत से न्यायपालिका की गरिमा और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।बार एसोसिएशन ने इस मुद्दे पर आगे प्रदर्शन करने और ज्ञापन सौंपने का भी निर्णय लिया। सभी अधिवक्ताओं ने न्यायिक व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर एकजुटता दिखाई।

जमीन नापने के विवाद में असलहों से लैश दबंगों ने दिया जान से मारने की धमकी

–पीड़ित अनिल यादव ने अधिकारयों से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के निवासी बन्धुआ निवासी अनिल यादव पुत्र अभयराम यादव ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर जमीनी विवाद के मामले में न्याय की गुहार लगाया है।

उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में अनिल यादव ने कहा है कि उसने गनेशपुर में गाटा नम्बर 1697 स में 6 विस्वा जमीन लेने वाले हैं जिसका एग्रीमेन्ट हो चुका है। इसी जमीन पर कोतवाली थाना क्षेत्र के डमरूआ निवासी सर्वेश्वर प्रसाद यादव पुत्र लक्ष्मण प्रसाद यादव दबंगई के बल पर कब्जा कर लेने का षड़यंत्र कर रहे है। गत 23 मार्च रविवार को सर्वेश्वर प्रसाद यादव बिना किसी सूचना के असलहों से लैश होकर लेखपाल हरी सिंह के साथ पहुंचे और जमीन की नपाई कराने लगे। सूचना मिलने पर मौके पर अनिल यादव भी पहुंचे। जब अनिल ने बिना किसी सूचना के जमीन की नपाई पर सवाल उठाया तो सर्वेश्वर प्रसाद यादव और लेखपाल हरी सिंह ने गाली देते हुये कहा कि भाग जाओ वरना अंजाम बुरा होगा। पत्र में अनिल ने कहा है कि सर्वेश्वर प्रसाद यादव और उनके सहयोगियों ने असलहा निकालकर उसके ऊपर तान दिया।

इसका वीडियो भी अनिल के पास उपलब्ध है। विवाद को बढता देख स्थानीय नागरिकों के आ जाने पर लेखपाल ने भी धमकी दिया कि तुम्हारे ऊपर इतना मुकदमा दर्ज कराऊंगा कि जिन्दगी बरबाद हो जायेगी। सर्वेश्वर प्रसाद यादव, लेखपाल और उनके सहयोगी अनिल को जान से मार देने की धमकी देकर मौके से चले गये। बाद में पता चला कि लेखपाल ने अनिल यादव के विरूद्ध मनगढन्त मुकदमा दर्ज करा दिया है। इससे अनिल यादव और उनका परिवार काफी डरा हुआ है। अनिल यादव ने उच्चाधिकारियों से अपनी जमीन और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

योगी सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पंचायत नगर में 45 परियोजनाओं का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। योगी आदित्यनाथ सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने की पूर्व संध्या पर सोमवार को नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने 45 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।नगर पंचायत कार्यालय परिसर में हुए समारोह में उन्होंने लगभग 13 करोड़ की योजनाओं का शुभारम्भ करते हुए कहा कि नगर को देश का मॉडल नगर पंचायत बनाने की मुहिम जारी रहेगी। उन्होंने सेवा और विकास की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता पूर्ण ढंग से तय समयावधि में पूरे किए जाएं। अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ नगर पंचायत नगर भी कदम ताल मिला कर चल रही है। श्रीमती राना ने बताया कि आदर्श नगर पंचायत योजना, वंदन योजना, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, जलनिकासी योजना तथा आकांक्षी योजना से नगर पंचायत के विभिन्न

वार्डों में सड़कें नालियां, स्ट्रीट लाइटें, स्टडी सेंटर सहित राजकोट दुर्गा मंदिर और नगर दुर्गा मंदिर में निर्माण कार्य कराए जाने है। श्रीमती राना ने कहा कि वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में भी शासन से कुछ वित्तीय स्वीकृतियों का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह की धरती को सजाने और संवारने में सभी के सहयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आदर्श नगर पंचायत नगर को चतुर्दिक विकास के मानक पर खरा उतरने के लिए अथक प्रयास करने होंगे। श्री राना ने सभी जन प्रतिनिधियों से एक जुट होकर गरीब परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने में अपनी ऊर्जा लगाने की अपील किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी श्रृष्टि सिंह, सभासद राजेश पाण्डेय, सत्यराम निषाद, अखिलेश यादव, राज कुमार चौधरी, संजय निषाद, बिंदू लाल, संजय सोनकर, तुलसीराम ,विजय साहनी, राम सजन यादव, संदीप कुमार, यशराज के के, दिनेश चौरसिया, नियाज अहमद, देवेश धर द्विवेदी, राकेश पाण्डेय, राम नारायण यादव, पप्पू सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 मार्च 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

मंहगी होती खुशी

खुश रहने का सम्बन्ध आंकड़ो से नहीं वरन मन से है। अब दुनियां संसाधनों से खुशी का पैमाना बना रही है। हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है,लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति–नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है।

खुशी किसी एक बड़े काम से नहीं बल्कि, रोज के छोटे–छोटे कामों से मिलती है, जैसे– अपनी पसंदीदा डिश खाने के बाद हमें खुशी मिलती है । आपकी सोच आपके भावनाओं और जीवन को दिशा देती है, इसलिए सकारात्मक सोच बनाए रखने का प्रयास करें।स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम करें, सही खानपान अपनाएं और पर्याप्त नींद लें। जब आप बुनियादी रूप से खुश होते हैं, जब आपको खुश रहने के लिए कुछ करना नहीं पड़ता, तो आपके जीवन के हर आयाम में बदलाव आ जाएगा। आपके अनुभवों में और खुद को व्यक्त करने के तरीकों में बदलाव आ जाएगा। आपको पूरी दुनिया बदली हुई लगेगी। आपका अब कोई निहित स्वार्थ नहीं होगा क्योंकि चाहे आप कुछ करें या न करें, चाहे आपको कुछ मिले या न मिले, चाहे कुछ हो या न हो, आप स्वभाव से ही आनंदित होंगे। जब आप अपने स्वभाव से ही खुश होते हैं, तो आप जो भी करेंगे, वह बिल्कुल अलग स्तर पर होगा।जिंदगी में खुश रहने के लिए आपको निम्नल ...हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा ध र्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। फिर भी शासन–प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एक हकीकत है, जिसको लेकर तमाम राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय आंकड़े समय–समय पर आते रहते हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा,स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि ा संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य–विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा। जागरूक नागरिक व जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व तसवीर बदल सकता है।

कब और कैसे सुलझेगा मणिपुर संकट

—बी.एल. वोहरा—

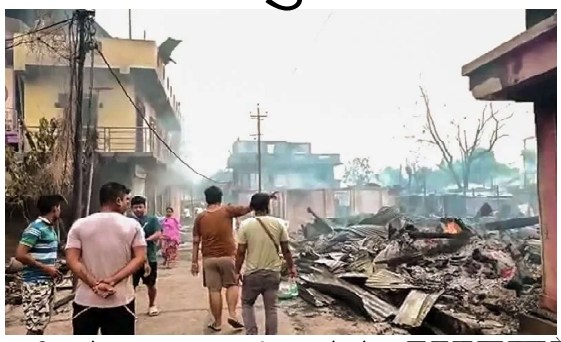

मणिपुर में कानून व्यवस्था पटरी पर लाने को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन जैसे कदम उठाए जिनसे शांति की उम्मीद जगी है। हालांकि वहां समस्याएं राजनीतिक समाधानों से अधिक गहरी हैं। निस्संदेह, मई 2023 में जातीय हिंसा की वजह हाईकोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या से उपजी गलतफहमी थी लेकिन कई अन्य कारण भी हैं।

आखिरकार, भाजपा और उसके जरिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ समय से मणिपुर में फैली अव्यवस्था को सुलझाने की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए हैं। सरकार ने पहले एक अनुभवी नौकरशाह को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया, फिर भाजपा शासित मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को पद छोड़ने को कहा और चार दिन बाद 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

ये सभी कदम एक साथ और जल्दी–जल्दी उठाए गए। लेकिन काफी वक्त से यह लंबित था। स्वयं भाजपा और राज्य में भाजपा सरकार उम्मीद के विपरीत आस लगाए हुए थी कि 3 मई, 2023 को राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से सरकार ने जो कमजोर कदम उठाए हैं, उनसे मामले सुलझ जाएंगे। बीच–बीच में कुछ समय के लिए शांति काल के अलावा लंबे समय तक टकराव अनवरत जारी रहा। इसके चलते मैतेई और कुकी जातियों के बीच संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गए।

समस्या कई अन्य कारणों से भी बढ़ गई, जिसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीर प्रभाव पड़े। दो कारण भाजपा को ठोस कदम उठाने से रोक रहे थे । एक तो यह कि हम एक लोकतंत्र हैं, दूसरा यह कि राज्य में भी सत्ता उसी दल के पास थी, जिसकी केंद्र में सरकार है। ऐसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पार्टी के लिए शर्मिंदगी की वजह बनता क्योंकि इसका मतलब होगा कि खुद अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज पर सवाल उठना। इसके अलावा, पार्टी को ऐसा उत्तराधि ाकारी मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया जो सभी को स्वीकार्य हो। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी ने अब कड़ुवा घूंट पीना तय कर लिया है। देर आयद३ दुरुस्त आयद! भविष्य की ओर देखते हुए, बहुत काम किए जाने की जरूरत है। सबसे पहले, समस्या की उत्पत्ति को देखें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके। म्यांमार में सैन्य शासन यानी जुंटा का अपने देश के संपूर्ण भूभाग पर, खासकर मणिपुर सीमा से लगते इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। इन क्षेत्रों में कई समूह अपनी सरकार से युद्धरत हैं और यहां तक कि कुछ इलाका उनके अधीन भी है। इसके अलावा, हिंसा के कारण, गोल्डन ट्राइंगल नाम से कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय ड्रग व्यापार रूट पर, मुख्य रूप से मोरेह शहर और मणिपुर के क्षेत्र से होकर गुजरने वाला, असर हो रहा था क्योंकि म्यांमार में अफीम की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी आई थी या विस्तार नहीं हो पाया था। कई कुकी और संबंधित जनजातियां अपने स्थानीय रिश्तेदारों की मदद से मणिपुर में, मुख्य रूप से कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर क्षेत्र में आन बसे और उन्होंने मणिपुर में भी अफीम उगाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी इस मुनाफेदार खेती में उनके साथ लग गए।

जब यह बात राज्य सरकार के संज्ञान में आई, तो अवैध अप्रवासियों की पहचान करने के लिए कार्रवाई की गई। स्थानीय लोग,जिसकी पीठ पर बहुत अमीर एवं ताकतवर अंतर्राष्ट्रीय ड्रग माफिया का हाथ था,इस कार्रवाई का विरोध करने लगे। वे सरकार को पीछे हटने को मजबूर करना चाहते थे। उनके सौभाग्य से —और राज्य के दुर्भाग्य से– मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने वाली याचिका पर, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा आए आदेश की गलत व्याख्या ने परेशानी पैदा करने का एक कारण प्रदान किया।

27 मार्च, 2023 को जारी इस आदेश में कहा गया था रू'राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर शीघ्रता से विचार किया जाना चाहिए३'। इसमें केवल याचिका पर विचार करने के लिए आदेश था, न कि मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए। लेकिन कुकियों ने जानबूझकर इसे गलत ढंग से प्रस्तुत किया, यह कहते हुए कि मैतेइयों को एसटी का दर्जा दे दिया गया है। हालांकि बाद में उच्च न्यायालय ने इस पैराग्राफ को हटा दिया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था।

दोनों पक्षों ने रैलियां निकालनी शुरू कर दीं, कुछ हिंसा भी भड़की और दोनों समुदायों द्वारा नाकेबंदी और जवाबी नाकेबंदी होने लगी। मैतेई बहुल घाटी में और कुकी एवं अन्य संबंधित जनजाति बहुल पहाड़ी इलाके में। स्थिति बदतर होती चली गई। हालात इतने खराब हो गए कि घाटी के लोग चुड़ाचांदपुर नहीं जा सकते थे और इसके विपरीत चूड़ाचांदपुर वाले घाटी में नहीं आ सकते। कुकियों ने एक अलग प्रशासन की मांग की। वे नहीं चाहते थे कि मैतेई लोगों को एसटी का दर्जा मिले क्योंकि उन्हें लगा कि इससे न केवल उनकी नौकरी का कोटा प्रभावित होगा बल्कि मैतेई लोग वैध तरीके से पहाड़ियों में जमीन भी खरीद सकेंगे। इसलिए, दोनों समुदायों के बीच एक तरह से पूर्ण पैमाने पर जातीय संघर्ष छिड़ गया, जिसमें हिंसा के कारण जान–माल का नुकसान हुआ और दोनों पक्षों के लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

आरोप है कि ड्रग माफिया ने अपनी मोटी जेबों के दम पर इस स्थिति को और बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई है। जल्द ही, सरकार और उसकी मशीनरी तक भी हिंसा का असर हो गया। दुर्भाग्यवश, दोनों समुदायों के बीच इस तरह का दोफाड़ कुछ हद तक पुलिस सहित सरकारी अमले में भी फैल गया। इसने स्थिति को और खराब कर दिया। अपराधी और निष्क्रिय पड़े विद्रोही समूह भी इस लड़ाई में कूद पड़े और इसका नतीजा यह हुआ कि सरकारी मशीनरी पूरी तरह चरमरा गई। पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों पर भी हमला किया गया और 5,000 से अधिक हथियार लूट लिए गए। यह भी आरोप है कि पुलिस ने डरकर या मिलीभगत के कारण कई हथियार सौंपे। अवांछनीय तत्वों और हिंसक समूहों के हाथों में इतनी बड़ी संख्या में हथियार राज्य के लिए एक बड़ा खतरा हैं। इनमें से बमुश्किल एक–चौथाई हथियार ही बरामद हो पाए हैं। हालात और बदतर बने जब कुकी समूह हिंसा फैलाने के लिए ड्रोन तक का इस्तेमाल करने लगे।

जाहिर है, उन्हें बहुत मदद हासिल है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के इस क्षेत्र में अपने निहित स्वार्थ हैं और उन्होंने दूसरों की लड़ाई में अपने लिए मौका पाया है। म्यांमार की स्थिति भी एक बड़ा कारक है। सरकार ने प्रतिक्रिया में और अधिक सैन्य बल भेजे हैं, लेकिन स्थिति पूरी तरह से उसके नियंत्रण में नहीं है। इसलिए, अब राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद संबंधित अधिकारियों के लिए काम करना आसान हो जाएगा। उनकी प्राथमिकता हिंसा को रोकना और लुटे हथियारों को वापस लेना होना चाहिए। एक साथ बहुत सारे काम करने की जरूरत है। मुख्य कार्यों में मामलों की जांच करना, राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना, समुदायों के बीच सद्भाव और शांति बहाली, विस्थापितों का पुनर्वास, अवैध ा अप्रवासियों से निबटना, निष्पक्ष पुलिस और नौकरशाही बनाना, अवैध ा प्रवास और ड्रग्स और हथियारों की तस्करी रोकने के लिए म्यांमार के साथ लगती सीमा सील करना, दूसरे देशों के मंसूबों को विफल करना और राजनीतिक प्रक्रिया बहाल करना शामिल है।

आइए उम्मीद करें कि जल्द ही शांति स्थापित हो जाएगी। पूर्वोत्तर का यह खूबसूरत राज्य न केवल अपने लिए बल्कि पूरे भारत के लिए शांति और खुशहाली का हकदार है।

—लेखक मणिपुर के गृह सचिव रहे हैं।

छावा फिल्म विवाद और सियासत

—उमेश चतुर्वेदी—

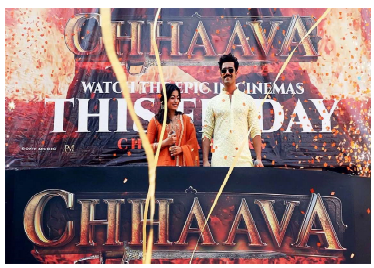

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे–जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा।

औरंगजेब महान था या क्रूर, इसे लेकर इतिहासकार कभी एकमत नहीं हो सकते। वैसे इतिहास लेखन की जो नई धाराएं हैं, उनमें किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत का सम्यक मूल्यांकन नहीं होता। बल्कि इतिहासकार अपनेदृअपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है। यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सिलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है। बेशक औरंगजेब कुरान बेचकर और टोपी सिलकर अपना दैनंदिन खर्च चलाता था, लेकिन यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह–तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं।

नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू ह्रदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुतव की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी।

अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है।

वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है ? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ–हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी? सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज–रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे?

इन सबमें दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रूपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है। इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी।

इंसान के भीतर है खुशी का मंत्र

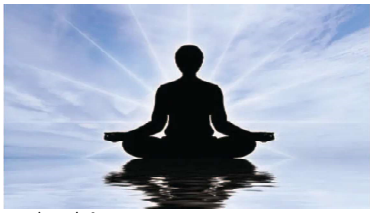

—रेनू सैनी—

खुशी एक ऐसा तत्व है जो अंतर्मन को जाग्रत करने से मिलती है। यह निरूशुल्क है लेकिन फिर भी प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए ही दुनिया में लोग लाखों–करोड़ों खर्च करते हैं। उसके बाद भी प्रसन्नता की कोई गारंटी नहीं होती। लोगों का मानना है कि खुशी धन, यश से आती है। ध ान और यश क्षणिक वस्तुएं हैं। इनसे पूरे जीवन की खुशी प्राप्त करना असंभव है। हमारा मस्तिष्क एक इच्छा पूर्ण होने के बाद ही दूसरी इच्छाओं की पूर्ति में लग जाता है। इस तरह पहली वस्तु प्राप्ति की इच्छा और खुशी समाप्त हो जाती है। जो वस्तु अप्राप्य है उसकी कामना में ह्रदय मचलने लगता है। यही दुख का कारण बनता है।

इसके अलावा भी दुखी होने के अनेक कारण होते हैं। जब हम काम करते हैं या फिर सामाजिक परिवेश के दौरान कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जब हम पर शब्दों की मार पड़ती है। शब्दों की तुलना घातक और विषैले बाण से की जाती है। ये शब्द अंतर्मन को आहत कर देते हैं। बौद्ध मत कहता है कि नकारात्मक वाक्यों को तुरंत भुला देना चाहिए। इसके लिए बस यह मंत्र अपनाना चाहिए कि, 'कोई ध्यान न दें।' जब शब्दों पर ध्यान दिया जाता है तभी वह शिला की भांति ह्रदय में गड़ते प्रतीत होते हैं। उस ओर से ध्यान हटा कर अच्छी बातों को सोचने से तनाव और पीड़ा छूमंतर हो जाती है। कहते हैं कि, 'आठों पवन चलते हों तो भी जेन मन नहीं डिगता।'

बौद्ध विवेक यही है कि स्वयं की वस्तुओं के मोह से दूर होना सीखें। शब्दों के घेरे में भी न घूमें। खुश रहना हमारे शरीर के रसायनों पर निर्भर करता है। शरीर में डेल्टा, थीटा, अल्फा, बीटा और गामा मस्तिष्क तरंगें होती हैं। इनमें से गामा मस्तिष्क तरंगों की आवृत्ति सभी तरंगों से अधिक होती है। गामा तरंगें उच्च स्तर के विचार और ध्यान से जुड़ी होती हैं। शोध बताते हैं कि यदि मस्तिष्क गामा तरंगों के उच्च स्तर उत्पन्न करता है, तो व्यक्ति अधिक खुश और ग्रहणशील होता है। गामा तरंगों का उच्च स्तर व्यक्ति को एकाग्र, प्रसन्न और कार्यशील स्मृति को अच्छा बनाता है।

कभी न उदास होने वाले व्यक्ति हैंकृमैथ्यू रिचर्ड। वे दुनिया के सबसे खुश इंसान हैं। उनका जन्म फ्रांस में हुआ था। खुशी की तलाश में उन्होंने फ्रांस को छोड़ दिया। वे तिब्बत पहुंच गए। यहां आकर वे दलाई लामा के फ्रेंच दुभाषिए का कार्य करने लगे। इस दौरान उन्हें बौद्ध धर्म से जुड़ी नई–नई बातें जानने को मिलीं। उन्होंने इस बात को महसूस किया कि किसी भी नकारात्मक बात पर ध्यान न देना बौद्ध विवेक है। अंग्रेजी में एक कहावत भी है कि, 'आउट ऑफ साइट, आउट ऑफ माइंड'। इसका अभिप्राय यह है कि आंखों और मन से ओझल बातों, वस्तुओं और व्यक्तियों को प्रायः भुला दिया जाता है। यदि इसे सकारात्मक तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह बौद्ध विवेक व्यक्तियों की खुशी को जाग्रत करने का सबसे प्रमुख कारण बन सकता है।

मैथ्यू ने ध्यान द्वारा अपने मस्तिष्क की गामा तरंगों को अधिक विकसित किया, फलस्वरूप उन्होंने खुश रहने में सफलता प्राप्त की। उनका मानना है कि, 'अब कोई भी बदलाव उन्हें उदास नहीं करता।' विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उनके अंदर की हलचल को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 सालों तक चली। उन्होंने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो उनका मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति को बढ़ाने में मदद करती हैं।

ईओ पर धन उगाही आरोप लगा सभासदों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। नगर पंचायत पनियरा के सभासदों ने अधिशासी अधिकारी पर धनउगाही करने और सभासद के आपत्ति करने पर फर्जी तथ्यों पर केस दर्ज कराने का आरोप लगाकर मोर्चा खोल दिया है। सभासद राजू पाल की शिकायत के बाद ईओ ने उन पर केस दर्ज करा दिया, जिसके बाद सभासद मुखर हुए हैं। सोमवार को डीएम से मिलकर ईओ की बर्खास्तगी का ज्ञापन सौंपा।

डीएम को दिए ज्ञापन में सभासदों ने आरोप लगाया कि शहरी आवास के लिए ईओ प्रति आवेदन 5000 रुपये ले रही हैं। रुपये लेकर वह आवास के लिए पात्र और अपात्र होने का निर्धारण कर रही हैं। इसे लेकर सभासद राजू पाल ने शिकायत की तो उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसा दिया। इसके बाद वह बेखौफ धमकी दे रही हैं कि अगर उनकी शिकायत किसी ने करने की तो उसका भी हाल राजू जैसा होगा।

इस धमकी से सभी सभासद परेशान हैं। ईओ महिला होने का फायदा उठा रही हैं। क्योंकि सभासद महिला अधिकारी से उलझना नहीं चाहते, लेकिन उनका भ्रष्टाचार अब बड़ा बोझ बन गया है। सभासदों ने ईओ की बर्खास्तगी की मांग की है। ऐसा न करने पर आमरण अनशन की चेतावनी दी है। ज्ञापन देने वालों में सभासद अनीता, सुनीता, अर्चना, राधिका, शर्मीला, रमजान, राजू पाल, संजय शामिल रहे।

जमीन पैमाइश से नाराज महिला ने तहसील की छत पर चढ़ी, आत्महत्या करने की दी धमकी

संवाददाता–गोण्डा। जिले के तरबगंज तहसील में एक महिला ने जमीन पैमाइश से नाराज होकर तहसील की छत पर चढ़कर घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा किया। ये घटना दोपहर 3 बजे के करीब की बताई जा रही है। जब हरिवंशपुर गांव की रहने वाली प्राणपता उर्फ पार्वती नाम की महिला तहसील की छत पर चढ़ गई।

राम मूरत ने एसडीएम कोर्ट में धारा 24 के तहत मामला दर्ज कराया था। कोर्ट ने जमीन की पैमाइश और मेढ़बंदी का आदेश दिया था। राजस्व निरीक्षक जावेद अपनी टीम के साथ जमीन की पैमाइश करने पहुंचे। पैमाइश के बाद जब जमीन राम मूरत को सौंपी गई, तो इससे नाराज होकर महिला ने तहसील की छत पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी देनी शुरू कर दी।

सूचना मिलते ही एसडीएम राजीव मोहन सक्सेना मौके पर पहुंचे। एक

घंटे की मशक्कत के बाद उन्होंने महिला को आश्वासन देकर नीचे उतारा। इस घटना से तहसील का कामकाज एक घंटे तक बाधित रहा।

दरअसल महिला ने गांव के ही रहने वाले राम मूरत के जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके खेती कर रही थी। राम मूरत द्वारा तरबगंज तहसील में एसडीएम कोर्ट पर धारा 24 के तहत वाद दायर किया गया था। एसडीएम कोर्ट द्वारा धारा 24 के तहत जमीन की पैमाइश करके मेढ़ बंदी और किलाबंदी करवाने का आदेश दिया गया था।

एसडीएम कोर्ट के आदेश पर राजस्व निरीक्षक जावेद राजस्व कर्मियों के साथ आदेश का पालन करने के लिए गए हुए थे। जहां उन्होंने पैमाइश करके जमीन की किलाबंदी और मेढ़ बंदी कराई है। जिससे नाराज होकर के महिला तरबगंज तहसील के छत पर चढ़कर हाई वोल्टेज ड्रामा किया है। अनावश्यक रूप से तहसील प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव बनाने का एक तरीके से प्राणपता नाम की महिला द्वारा प्रयास किया गया और घंटे तक तहसील का कार्य भी बाधित रहा। तरबगंज एसडीएम राजीव मोहन सक्सेना ने बताया कि यह दूसरे के जमीन पर कब्जा किए हुई थी। जिसे आज राजस्व टीम द्वारा पैमाइश करके कब्जा हटवा करके राम मूरत नाम के व्यक्ति को कब्जा दिलवाया गया है। महिला को छत से नीचे उतरवा करके उसकी बात सुनकर उसे घर भेज दिया गया है।

किराना की दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

संवाददाता–श्रावस्ती। किराना की दुकान में बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमें लाखों का सामान जलकर राख हो गया। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के जमुनहा बाजार निवासी मोहम्मद असलम पुत्र अमीन बाजार में किराना की दुकान करता है। सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे थे कि अचानक दुकान में से धुआं व आग की लपटने निकलने लगी। जिसे देख लोगों में अफरा तफरी मच गई। घनी आबादी के बीच आग लगने से सभी दुकानदारों में हड़कम्प मच गया। लोग शोर मचाने लगे। इस पर मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। वहीं सूचना पर पुलिस चौकी जमुनहा की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस व लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक दुकान में रखा नकदी व सारा सामान जलकर रख्खा हो गया। आग से दो लाख से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है।

तीन दिवसीय विकास मेले की तैयारी, 26 मार्च को राज्यपाल करेंगी शिरकत

संवाददाता–बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल ने आगामी विकास मेले की जानकारी दी। मेला तीन दिन तक सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलेगा। इस दौरान सभी सरकारी विभाग पिछले 8 सालों की अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करेंगे।

मेले में कृषि, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े कुल 6 सेशन होंगे। प्रतिदिन 2 सेशन आयोजित किए जाएंगे। विभाग अपनी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों के आवेदन फॉर्म भरवाएंगे।

मेले में कृषक, महिला प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा और युवा उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। जिले की विकास परियोजनाओं की गैलरी बनाई जाएगी। मेडिकल बोर्ड दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करेगा।युवाओं और बच्चों के लिए विशेष आकर्षण होंगे। विवज प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या और कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

बच्चों के लिए फूड कोर्ट भी बनाया जाएगा। 26 मार्च को राज्यपाल भी मेले में शिरकत करेंगी। वे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सामग्री और प्रमाण पत्र वितरित करेंगी। विकासखंड और विधानसभा स्तर पर भी सरकार की 8 वर्ष की उपलब्धियों के कार्यक्रम होंगे। स्टॉल के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और पात्र लोगों के आवेदन भरवाए जाएंगे।

नर्सिंग होम में इलाज के दौरान गर्भवती की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

संवाददाता–बहराइच। नर्सिंग होम में शनिवार शाम इलाज के दौरान एक गर्भवती की मौत हो गई। मौत के बाद चिकित्सकों पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए परिजन भड़क गए और जमकर हंगामा किया। हंगामा होता देख चिकित्सक व अन्य स्टाफ नर्सिंग होम छोड़कर भाग गए और अफरातफरी का माहौल बन गया। आक्रोशित लोगों ने नर्सिंग होम की होर्डिंग भी तोड़ डाली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया।

पयागपुर की ग्राम पंचायत रजुवापुर के मजरा मोहरी निवासी परवाना (32) नौ माह की गर्भवती थी। शनिवार को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने उन्हें आशा बहू शकीला बानो के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने रात में डिलीवरी होने की बात कहकर परवाना को भर्ती कर लिया। सूत्रों के मुताबिक दोपहर में बेहतर इलाज का झांसा देकर कुछ लोगों ने उन्हें पास के एक नर्सिंग होम में भर्ती करवा दिया। सीएचसी से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित नर्सिंग होम के चिकित्सकों ने नॉर्मल डिलीवरी की गारंटी देते हुए परवाना को भर्ती कर लिया। आरोप है कि नर्सिंग होम में चिकित्सक ने गलत इंजेक्शन लगा दिया और इससे परवाना की मौत हो गई। परवाना की मौत के बाद परिजन उग्र हो गए और उन्होंने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होता देख नर्सिंग होम के कर्मी धीरे–धीरे भागने लगे। वहीं परिजनों ने चिकित्सक को भी खदेड़ लिया। आक्रोशित परिजनों ने क्लीनिक का बैनर व होर्डिंग भी फाड़ दिया। हंगामे के बाद परिजन मृतका का शव लेकर घर चले गए।

थाना प्रभारी करुणाकर पांडेय का कहना है कि किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्यों की रैंकिंग में सुधार का निर्देश, मार्च के अंत से पहले भेजें बिल

संवाददाता–गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम नेहा शर्मा ने सीएम डैशबोर्ड पर चल रहे विकास कार्यों की 3 बजे मासिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों को विकास कार्यों की रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी अपनी रैंकिंग में जल्द सुधार करें। ऐसा न करने पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी तरह का भ्रष्टाचार या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने को देखते हुए डीएम ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग 30 मार्च की बजाय उससे पहले ही अपने बिल कोषागार भेजें। इससे भुगतान में होने वाली परेशानियों से बचा जा सकेगा। एकदम 30 मार्च को ही लेकर की कोषागार बिल कोई भी विभाग का अधिकारी न पहुंचे।

विषम परिस्थितियों में ही 30 मार्च को बिल लेकर के कोषागार जाएं ताकि पेमेंट होने में दिक्कत ना हो। डीएम ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि वे विकास कार्यों में तेजी लाएं। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित विभाग को तुरंत हैंडओवर करें। इससे गोंडा की जनता को योजनाओं का लाभ जल्द मिल सकेगा। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्माण स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा। कार्यों की धीमी प्रगति पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

छात्रों को मिले स्मार्टफोन और टैबलेट

संवाददाता–बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज में सोमवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदर विधायक पलटू राम ने स्नातक उत्तीर्ण छात्रों को 493 स्मार्टफोन और परास्नातक उत्तीर्ण छात्रों को 28 टैबलेट वितरित किए।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त करना है। इस पहल से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी नेतृत्व क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी। प्रभारी प्राचार्य प्रो. अरविन्द कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह योजना उन छात्रों को लाभान्वित करेगी जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता है। इससे छात्र ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे और भविष्य में बेहतर रोजगार के अवसर पा सकेंगे।

कार्यक्रम का संचालन एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. देवेन्द्र कुमार चौहान ने किया। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन और मनोविज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार शुक्ल कार्यक्रम के संयोजक रहे। डिजिटल उपकरण पाकर छात्र–छात्राओं ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

मारपीट के चार दोषियों को तीन–तीन वर्ष की कैद

संवाददाता–श्रावस्ती। लाठी डंडे से हमला कर गम्भीर चोट पहुंचाने के मामले में चार दोषियों को न्यायालय की ओर से सजा दी गई। न्यायालय ने सभी को तीन–तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही अर्थदंड से भी दंडित किया। सिरसिया थाना क्षेत्र के कटकुइयां कला निवासी अजीज पुत्र बुद्धू खां, डग्गा उर्फ मुंशरीफ पुत्र सुर्रा, महेश पुत्र शिव प्रसाद व ननकुन्नू उर्फ ननकूने खां पुत्र रसूल खां ने वर्ष 2010 में मारपीट की थी। जिसमें एक व्यक्ति पर लाठी डंडे से हमला कर घायल कर दिया था। पीड़ित की तहरीर पर सिरसिया थाने में पुलिस ने 13 मई 2010 को चारो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेजा था। साथ ही पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। 15 वर्ष से न्यायालय में मामला विचाराधीन चल रहा था। सोमवार को सुनवाई के दौरान न्यायालय ने चारो आरोपियों को दोषी करार देते हुए तीन–तीन वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक को तीन–तीन हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया।

प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल कनीगंज अयोध्या में वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम संस्था में ही संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण करके डॉक्टर रानी अवस्थी ने किया तत्पश्चात सरस्वती वंदना, देशभक्ति, गीत, लोकगीत पर नृत्य , कविता, माइम,नाटक आदि बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व संस्था के बच्चों की लेखन प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता ,दौड़ प्रतियोगिता तथा म्यूजिकल चेयर रेस प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें यू के जी के शुभी ,रुद्र, युवान, दिव्येष तथा फर्स्ट सेकंड के अमित ,अंबिका ,श्रेयांश, प्रणवदीर ,वंश ,नायरा तथा थर्ड फोर्थ फिफ्थ की कृष्ण कोरी, खुशबू, रीत , आलोक, अनिरुद्ध आदि पुरस्कृत हुए उक्त अवसर पर अभिभावक बच्चे एवं शिक्षकगण एवं प्रबंधक समिति के भी लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर डॉक्टर रानी अवस्थी ने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया और बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा शिक्षकों को बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए कहा, जिससे आगे चलकर ये बच्चे एक सभ्य समाज का निर्माण कर सके। कार्यक्रम का सफल संचालन संगीता यादव ने किया।

हाटा में मूल्यांकन केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचे शिक्षक एमएलसी

संवाददाता–कुशीनगर। गोरखपुर–फैजाबाद क्षेत्र के शिक्षक एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को कई मूल्यांकन केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रधानाचार्य नागेश्वर पति त्रिपाठी और माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया।

इससे पहले एमएलसी त्रिपाठी ने नवजीवन इंटर कॉलेज पटहेरवा और कुशीनगर के बुद्ध इंटर कॉलेज का भी निरीक्षण किया। दौरे के दौरान शिक्षकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं एमएलसी के समक्ष रखीं। वित्तविहीन शिक्षकों और आमेलित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों ने विधान परिषद में उनकी पैरवी के लिए आभार जताया।

एमएलसी त्रिपाठी ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल, देवरिया जिलाध्यक्ष दिनेश त्रिपाठी समेत कई शिक्षक संघ के पदाधिकारी और प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

घर मे घुसे नकाबपोश बदमाशों ने दो भाईयों को मारकर किया घायल

संवाददाता–कुशीनगर। एक घर में देर रात कुछ बदमाश खिड़की तोड़कर घुस गए। वे घर के कीमती सामानों पर हाथ साफ करने लगे। इसी दौरान खटपट की आवाज सुनकर घर में सो रहे दो भाइयों की नींद टूट गई। दोनों ने घर में बदमाशों को घुसा देखा तो उनसे भिड़ गए। भाइयों ने हिम्मत दिखाते हुए बदमाशों को पकड़ लिया। तब बदमाशों ने खुद को छुड़ाने के लिए उन पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि गोली भी चलाई। बदमाशों के हमले से दोनों भाई घायल हो गए। उनके पिता को भी हल्की चोटें आई हैं। इसके बाद बदमाश वहां से फरार हो गए। साथ में घर से उठाए गए 50 हजार रुपए, जेवर और अन्य कीमती सामान भी लेते गए।

पडरौना के पृथ्वीराज नगर जंगल विशुनपुरा में हुई। जिस घर में बदमाश घुसे थे वह बैद्यनाथ चौरसिया का है। बदमाशों को पकड़ने

वाले उनके बड़े बेटे का नाम अशोक कुमार और छोटे बेटे का नाम राकेश है। घरवालों की नींद टूटने के बाद बदमाशों और परिजनों में झड़प होने लगी। बदमाश घर से कैश के अलावा अशोक की पत्नी के जेवर ले गए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल अशोक और राकेश को आनन–फानन में कुशीनगर के मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू कर दिया है। सूचना मिलने पर सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय, कोतवाल रवि कुमार राय की अगुवाई में पुलिस बल और फोरेंसिक टीम ने मौके पहुंच कर जांच शुरू की।

इस संबंध में सीओ सदर ने बताया कि नुकीले हथियारों के हमले से दो लोग घायल हैं। उनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। स्थिति पूरी तरह ठीक है। 50 हजार रूपए नगद और कुछ गहने चोरी हुए हैं। इस मामले में पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

ओपीडी में पहले दिखाने को लेकर हंगामा धानी सीएचसी में मारपीट, तोड़फोड़

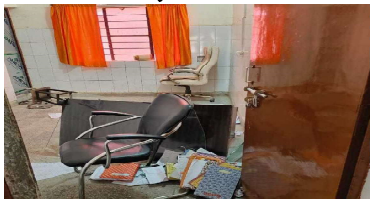

संवाददाता–महराजगंज। धानी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सोमवार को खूब हंगामा हुआ। पहले डॉक्टर को दिखाने के चक्कर में कुछ लोगों ने बवाल कर दिया। एक स्वास्थ्य कर्मी की पिटाई करने के बाद डॉक्टर कक्ष की कुर्सी व मेज को तोड़ दिया। तोड़फोड़ व मारपीट के बीच अस्पताल में अफरा–तफरी मच गई। डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य कर्मी जब तक जुटते तब तक हमलावर खिसक लिए। इससे नाराज डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों ने ओपीडी बंद कर दी। इससे मरीजों का अस्पताल परिसर में जमावड़ा लग गया। मरीज बाहर इंतजार करते रहे और बिना इलाज के बैरंग वापस लौटना पड़ा। सोमवार को सीएचसी में सबकुछ सामान्य तरीके से चल रहा था। इसी बीच तीन लोग सीएचसी में इलाज कराने पहुंचे। डॉक्टर को पहले दिखाने की जिद करने लगे, जिससे एक स्वास्थ्य कर्मी से विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि वहां स्वास्थ्य कर्मी की पिटाई करते हुए आरोपितों ने अस्पताल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। ओपीडी कक्ष में डॉक्टर की कुर्सी व मेज तोड़ दिया।

स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि डॉ. प्रकाश सिंह चौधरी ओपीडी में मरीजों को देख रहे थे। इसी बीच तीन लोग बिना नंबर के सीधे डॉक्टर को दिखाने की जिद करने लगे। समझाने और मना करने पर हंगामा शुरू कर दिया। अस्पताल में उन लोगों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। मौके पर मौजूद चौकीदार ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो उसके साथ आरोपितों ने मारपीट की। इस घटना के बाद अफरा–तफरी मच गई और मौका देखकर आरोपित वहां से फरार हो गए। वहीं, डॉक्टर सहित सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने तहरीर लेकर थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की।

इस हंगामा के बाद नाराज डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों ने ओपीडी बंद कर दी। कार्रवाई की मांग करने लगे। इससे मरीजों की खूब सांसत हुई। मरीज बाहर बैठकर ओपीडी खुलने का इंतजार करते रहे, लेकिन बहुतों का बैरंग वापस लौटना पड़ा।

30 अप्रैल को थी शादी, घर में लटका मिला किशोरी का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। एक महीने बाद जिस किशोरी की शादी होनी थी उसका शव घर में फांसी पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की मां का आरोप है कि कुछ लोग उसकी लड़की को परेशान कर रहे थे। इससे घर में फांसी लगा ली। मृतका की शादी 30 अप्रैल को तय थी।

इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पटखौली कला के मजरा महुआरी निवासी मिट्ठू पुत्र राम फेरन पासवान दो महीने पहले मजदूरी करने दिल्ली गया है। घर में उसकी पत्नी देवी, बेटी रीमा देवी (17) थी। रविवार देर शाम को रीमा ने कमरे में पंखे के सहारे फांसी का फंदा डाल कर लट गई और उसकी मौत हो गई। जानकारी होने पर मां देवी रोने चिल्लाने लगी। रोने की आवाज सुनकर आस पास के लोग एकत्र हो गए। सोमवार सुबह लोगों की ओर से पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना पर क्षेत्राधिकारी सतीश कुमार शर्मा, इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार दूबे व चौकी प्रभारी अमित सिंह पुलिस व फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की। साथ ही पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की मां देवी का आरोप है कि रीमा की 18 अप्रैल को तिलक व 30 अप्रैल को शादी तय थी। गांव के दो युवक काफी दिनों से रीमा को परेशान कर रहे थे।

रविवार शाम को वह दवा लेने मेडिकल पर गई थी। वहां से आने के बाद खाना नहीं खाया और कमरे में चली गई। काफी देर बाद जब मां कमरे में गई तो रीमा का शव फंदे से लटक रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एकलाख छंदों के रचयिता स्वामी कृपानिवास का मनाया गया प्राकट्योत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वैष्णो नगरी अयोध्या त्याग और तपस्या की नगरी है यहां अनेकों संत हुए हैं जिन्होंने प्रभु श्री राम और माता जानकी के अलग–अलग रूपों में उपासना की है। इसी उपासना पद्धति में रसिक उपासना के प्रमुख आचार्य दक्षिण भारत में जन्मे स्वामी कृपा निवास महाराज का प्राकट्योत्सव गोलाघाट स्थित रसमोद कुंज में महंत राम प्रिया शरण गिरधारी जी महाराज के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री महाराज जी ने बताया कि रसिक उपासना के आचार्य स्वामी कृपा निवास जी महाराज का जन्म 1750 ई. के आसपास दक्षिण भारत में हुआ था। इनके पिता का नाम सीतानिवास तथा माता का गुणशीला था। वे श्री रंग के उपासक थे। उन्होंने इन्हें बचपन ही में रामानुजीय वैष्णव संत आनंद विलास से दीक्षा दिलाई। राम प्रिया शरण महाराज ने बताया कि पंद्रह वर्ष की अवस्था में इन्हें संसार से विरक्ति हुई और वे घर त्याग कर मिथिला चले आए और रसिक भावना का आश्रय लिया। चारों धाम की पैदल यात्रा करते हुए

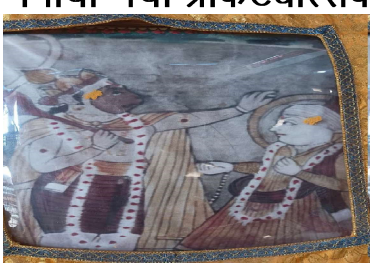

अग्रदास के आचार्य पीठ रेवासा (जयपुर) गए। वहाँ से अयोध्या आए और कुछ दिनों वहाँ रहे। वहाँ से वे उज्जैन गए और वहां कुछ काल तक रहे। तदनंतर वे चित्रकूट आए और शेष जीवन वहीं व्यतीत किया। चित्रकूट में ही स्फटिक शिला के पास उनका देहावसान हुआ। उन्होंने बताया कि युगलप्रिया के अनुसार उन्होंने लगभग एक लाख छंदों की रचना की थी किंतु इनके जो ग्रंथ उपलब्ध हैं उनमें पच्चीस हजार से अधिक छंद नहीं हैं। उनके लिखे समस्त ग्रंथ सांप्रदायिक सिद्धांत निरूपण की दृष्टि से लिखे गए है। कुछ रचनाएँ भावनात्मक भी हैं जो विभिन्न राग–रागिनियों में गेय हैं। श्री महाराज जी ने बताया कि स्वामी जी के जन्मोत्सव पर मंदिर में बधाई गान कर उत्सव मनाया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए मुख्य रूप से व्यास राघवेंद्र शरण रामानंद शरण संजय झा, पुजारी रामस्वरूप,पुजारी आकाश शरण, शरद कुमार झा माधव कुमार झा बालकृष्ण द्विवेदी मनीष कुमार रमोज जी पटना, संगीता,रामदुलारी सखी सहित सैकड़ो लोग सम्मिलित हुए।

श्रीरामकथा मनमोहक, भव भय तारक है– स्वामी स्वरूपानन्द

– भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्रीराम बाल्यावस्था से ही बड़े ही तेजस्वी थे। वे बाललीला से वे सबको आनंदित करते रहते थे। श्रीरामकथा मनमोहक, भवभयतारक व मर्यादापूर्वक मानव जीवन जीने का प्रधान साधन है। यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में पांचवे दिन व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि रामजी का यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। इसके बाद गुरु आश्रम में उन्होंने अल्प समय में ही सभी कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया। उन्होंने नामकरण के बाद प्रभु के मनोहर बाल रूप का वर्णन किया। व्यास जी ने बताया कि प्रभु श्रीरामचन्द्र ने बाल क्रीड़ा की और समस्त नगर निवासियों को सुख दिया। कौशल्याजी कभी उन्हें गोद में लेकर हिलाती–डुलाती और कभी पालने में लिटाकर झुलाती थीं ।

प्रभु की बाल लीला का वर्णन करते हुए महात्मा जी ने कहा कि एक बार माता कौशल्या ने श्री रामचन्द्रजी को स्नान कराया और श्रृंगार करके पालने पर पौढ़ा दिया। फिर अपने कुल के इष्टदेव भगवान रंगनाथ की पूजा के लिए स्नान किया, पूजा करके नैवेद्य चढ़ाया और स्वयं वहां गई, जहां रसोई बनाई गई थी। फिर माता पूजा के स्थान पर लौट आई और वहां आने पर पुत्र को भोजन करते देखा। माता भयभीत होकर पुत्र के पास गई, तो वहां बालक को सोया हुआ देखा। फिर देखा कि वही पुत्र वहां भोजन कर रहा है। उनके हृदय में कंपन होने

– 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

लगा। वह सोचने लगी कि यहां और वहां मैंने दो बालक देखे। यह मेरी बुद्धि का भ्रम है या और कोई विशेष कारण है? प्रभु श्री रामचन्द्रजी माता को घबराया हुआ देखकर मधुर मुस्कान से हंस दिए फिर उन्होंने माता को अपना अखंड अद्भूत रूप दिखलाया, जिसके एक–एक रोम में करोड़ों ब्रह्माण्ड लगे हुए हैं (माता का) शरीर पुलकित हो गया, मुख से वचन नहीं निकलता। तब आँखें मूंदकर उसने रामचन्द्रजी के चरणों में सिर नवाया। माता को आश्चर्यचकित देखकर श्री रामजी फिर बाल रूप हो गए। श्रीराम की बाल लीला देखने के लिये भगवान शिव, काक भुसुण्डि के साथ ही अनेक देवी देवता, अध्योध्या धाम पहुंचे और इसका सुख प्राप्त किया।

श्रीराम कथा के पांचवे दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान अजय सिंह, विभा सिंह ने कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह, कन्हैया दास, राजनरायन पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, रामचन्दर सिंह, डा. अभिषेक सिंह, राधेश्याम, सभाजीत चौधरी, जीत बहादुर सिंह, मातिवर सिंह, विश्वम्भर, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, दंगल गुप्ता, रामकिंकर सिंह, संजीव सिंह, सुनील सिंह, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित सिंह, आदित्य सिंह, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, डा. के.पी. मिश्रा, नरसिंह सिंह, नीरज गुप्ता, रामू, इन्द्रपरी सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

परमात्मा को बस में करने का सर्वोत्तम साधन है प्रेम - पं. राजेश पाण्डेय

– भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। ईश्वर के लिए जो जीता है वही सन्यासी है। गोपियाँ ईश्वर के लिए जीती थी इसलिए उन्हें प्रेम सन्यासिनी कहा गया। प्रभु प्रेम में हृदय का द्रवित होना ही तो भक्ति है। कृष्ण कथा में प्राणायाम करने की कोई आवश्यकता नहीं है यह जगत को भुला देती है। मिठास प्रेम में होती है वस्तु में नहीं। स्वाद गोपियों के माखन में नहीं प्रेम में था। यशोदा के हृदय में बसा हुआ कन्हैया जागा है किंतु हमारे हृदय का कन्हैया सोया हुआ है। यह सद्विचार पं. राजेश पाण्डेय सिंटू महाराज ने हरैया के समौड़ी गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीला का रोचक वर्णन करते हुए व्यक्त किया। कथा में भाजपा युवा मोर्चा बस्ती के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येंद्र शुक्ल जिप्पी ने पोथी पूजन व आरती का कार्य किया।

कथा व्यास ने कन्हैया के बाल लीला के विविध प्रसंगों, गोपियों के साथ अनुराग, माखन चोरी आदि प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि जब तक परमात्मा को प्रेम से ना बांधा जाए संसार का बंधन बना रहता है ईश्वर को फल दोगे तो वह तुम्हें रत्न देंगे पाप के जाल से छूटना आसान नहीं है जब तक पुण्य का बल बढ़ता नहीं पाप की आदत नहीं छूटती। कथा व्यास ने कहा कि परमात्मा को बस में करने का सर्वोत्तम साधन प्रेम है। कन्हैया ने कभी जूते नहीं पहने, गायों की जैसी सेवा उन्होंने किया शायद ही कोई कर सके। गाय में सभी देवों का वास है, गाय सेवा से अपमृत्यु टल सकती है। बांसुरी का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि बांसुरी अपने स्वामी की इच्छा अनुसार ही बोलती है इसलिए भगवान की जो इच्छा हो वही बोलना चाहिए।

इस दौरान मुख्य यजमान राम सुमति मिश्र, सीता देवी, जय प्रकाश शुक्ल, प्रमोद शुक्ल बब्बू, हिमांशु त्रिपाठी, देवेंद्र नाथ मिश्र बाबू जी, धीरेन्द्र नाथ मिश्र, श्रीनाथ मिश्र, सुरेंद्र नाथ मिश्र, नन्द कुमार मिश्र, माधव दास ओझा, इंद्रा ओझा, मंटू पाण्डेय, चंद्र भाल शुक्ल, अंबिका प्रसाद ओझा, ओंकार यादव, राधिका चौधरी, भरत, संतोष मिश्र, रवीश कुमार मिश्र, वेद प्रकाश मिश्र, उत्तम मिश्र, सतीश शुक्ल लायक, हरीश, शिवम, गोपाल, रत्नेश, प्रभात, राम, अत्रय, बाबूलाल, लल्लू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शहीद के बेटे का उत्पीड़न करने वाले एसडीएम के खिलाफ कर्मियों ने खोला मोर्चा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में एक राजस्व कर्मचारी की मौत के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। तहसील सोहावल के कर्मचारी शिवम यादव की 22 मार्च 2025 को हुई आकस्मिक मृत्यु के बाद कलेक्ट्रेट में शोक सभा का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेशीय मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ ने आपात बैठक बुलाई। बैठक में सामने आया कि तत्कालीन एसडीएम सोहावल अभिषेक कुमार सिंह ने 18 मार्च को मृतक शिवम यादव का सिर मुंडवाया था। उन्होंने देर रात तक रोककर मानसिक शोषण भी किया था। जिले के 5 तहसीलों के कर्मचारी संघ ने जिलाधिकारी अयोध्या को 9 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। इसमें एसडीएम के खिलाफ न्यायिक जांच और निलंबन की मांग की गई है। संघ ने मांग की है कि एसडीएम का तबादला ऐसी जगह किया जाए, जहां कोई राजस्व कर्मचारी न हो। कर्मचारियों के संक्षोभ के लिए एक विशेष कमेटी बनाने की भी मांग की गई है। इसमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे। साथ ही कर्मचारियों से शाम 5 बजे के बाद काम न लेने और बीच सत्र में स्थानांतरण न करने की मांग भी की गई है। कर्मचारी संघ ने अपर जिलाधिकारी अयोध्या पर भी कर्मचारियों से दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। उनसे प्रभारी अधिकारी का चार्ज हटाने की मांग की गई है।

मेडल, प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किये गये छात्र

– भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। रियासत इंटर कॉलेज एवं इकरा पब्लिक स्कूल पंखोबारी बनकटी में पीटीएम व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा नर्सरी से लेकर 9 तक के छात्र –छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम मां सरस्वती वंदना से शुरू किया गया। संचालन प्रीती पाल ने किया। अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक सदरे अयूब सिद्दीकी ने किया । विद्यालय के बच्चों व बच्चियों द्वारा मां की ममता और पिता का प्यार समझ पाना ही है संस्कार, शिक्षा का महत्व, समय की कीमत, पढ़ने का उद्देश्य,आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । इस सम्मान समारोह में बच्चों के अभिभावक भी मौजूद रहे।

प्रबंधक सदरे अयूब सिद्दीकी ने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों द्वारा शिक्षा के महत्व पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई,शिक्षा केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है बल्कि यह बच्चों को आत्मनिर्भर बनाती है एवं उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा के माध्यम से बच्चे अपने अधिकारो कर्तव्यों को समझ सकते हैं और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं, शिक्षा से बच्चों का बौद्धिक एवं सामाजिक विकास होता है, जिससे वे आत्मनिर्भर एवं स्वालंबी बनते हैंस अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि वह अपने बच्चों को विद्यालय भेजने के प्रति गंभीर रहे एवं उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें स आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उपस्थित बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर अजय उपाध्याय,वकील अहमद, साहब राम, सुरेंद्र कुमार, अजय पाल, वीरेंद्र सिंह,राकेश आयुष, दीपक, नंदिनी, शिवम्, प्रदीप, प्रिंस,आर. पी. पाण्डेय आदि शिक्षक शिक्षिकाएं एवं संभ्रांत लोग मौजूद रहे ।

ईद–उल–फितर की तैयारियां शुरू

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में ईद–उल–फितर के त्योहार को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुस्लिम समुदाय के धार्मिक नेता, प्रबुद्ध नागरिक और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चंद्र दर्शन के अनुसार ईद–उल–फितर का त्योहार 31 मार्च को मनाए जाने की संभावना है। जिलाधिकारी ने सभी क्षेत्रीय मजिस्ट्रेट को अपने–अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। नगर मजिस्ट्रेट और रेजिडेंट मजिस्ट्रेट को अपने क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी को विशेष निर्देश दिए गए हैं। जनपद के सभी अस्पतालों, पीएचसी और सीएचसी में चिकित्सा सुविधाएं और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

नगर की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की उचित व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग को ढीले तारों और जर्जर खंभों की मरम्मत के साथ निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। मोबाइल ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था भी की जाएगी।

सभी क्षेत्रीय मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र के थानों के त्योहार रजिस्टर का निरीक्षण करें और संभावित विवादों का समय रहते निपटारा करें। शांति समितियों की बैठकें भी आयोजित की जाएंगी।

एसएसपी राज करन नय्यर ने आगामी पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बैठक में उपस्थित धर्मगुरूओं से सहयोग की अपील की।

अपर जिलाधिकारी नगरएमेलाधिकारी सलिल कुमार पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण, पुलिस अधिकारी, प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान अष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 577/2020
नवनीत कुमार आदि
बनाम
गौरीशंकर

1. गौरीशंकर पुत्र लक्ष्मीनरायन साकिन माचा तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 1377/2018
मनोज कुमार आदि
बनाम
वीरेन्द्र आदि

1. वीरेन्द्र पुत्र मलखान निवासी मौजा मूडाडीहा जप्ती तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामवेलास पुत्र गोविन्द 3. अरविन्द कुमार उम्र लगभग 16 साल नाबालिग पुत्र जगेसर जरिए संरक्षिका श्रीमती इन्द्रराजी माता 4. कुमारी विद्या कुमारी उम्र लगभग 11 साल नाबालिग पुत्री जगेसर जरिए संरक्षिका श्रीमती इन्द्रराजी माता 5. श्रीमती इन्द्रराजी विधवा जगेसर निवासीगण मौजा मूडाडीहा जप्ती तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 19–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–305/2000
प्रकीर्णवाद 23/2018
श्याम सुन्दर
बनाम
श्रीमती सोना देवी आदि

1. श्रीमती सोना देवी पत्नी स्व0 रामधनी (मृतक) 2. राधेश्याम 3. घनश्याम 4. श्याम बिहारी 5. अवध बिहारी पुत्रगण स्व0 रामधनी साकिनान मौजा कस्बा बभनान बाजार तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 08–04–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 08 माह 04 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अंगद टीला पर स्थापित होगी गिलहरी की मूर्ति –नृपेंद्र मिश्र

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू हुई। इसमें शामिल होने के लिए अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने मंदिर निर्माण से संबंधित कई अहम जानकारियां साझा कीं।

नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि निर्माण समिति की जो जिम्मेदारी है, उसे पूर्ण करने के लिए लक्ष्य रखा गया है। लगभग नौ माह शेष रह गया है, जो भी निर्माणाधीन कार्य है वह अंतिम चरण में है। मंदिर का निर्माण (जिसमें शिखर भी सम्मिलित है) पूरी आशा है कि अप्रैल माह में पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सप्त मंदिर के बारे में अनुमान है कि वह भी कार्य पूर्ण हो जाएगा। मूर्ति भी स्थापित हो जाएगी। जो पीएफसी का कार्य है, वह पहले ही पूरा हो चुका है। अंगद टीला पर सुंदरीकरण पूरा हो चुका है। रामकथा और रामचरितमानस में गिलहरी की महत्ता से भी लोग अवगत हैं।

मिश्र ने कहा कि जिस तरह से कुबेर टीला पर जटायु को स्थापित किया गया है, उसी प्रकार से अंगद टीला पर गिलहरी की एक मूर्ति स्थापित की जाएगी। गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति स्थापित हो चुकी है। अप्रैल माह में इसे श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा।

हिंदुस्तान ओलंपियाड में प्रथम आने वाली शारदा को मिला मेडल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में बरगदवा स्थित शिवाजी इंटर कॉलेज में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा शारदा गुप्ता को हिंदुस्तान ओलंपियाड में जिले में पहला स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

कॉलेज के प्रधानाचार्य कपी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में शारदा को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर शारदा के पिता को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हिंदुस्तान ओलंपियाड प्रतियोगिता में भाग लेने वाले जिले के 30 अन्य प्रतिभाशाली छात्रों को भी मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य राम केवल यादव के साथ कई शिक्षकगण मौजूद रहे। इनमें रामकुमार, नंदकिशोर पाठक, अरविंद, रजत सिंह, रवि जायसवाल, सिंधु बाला सिंह, निरंजनी वर्तिका, सीमा, ध्रुव चंद यादव, जितेंद्र यादव, आरती, रोली, आकांक्षा, रेनू और शकीरा शामिल थे।

युवक और युवती ने लगाई फांसी युवती की मौत, युवक की हालत नाजुक

संवाददाता–अयोध्या। रविवार की रात युवक और युवती ने अपने–अपने घरों में फांसी लगा ली। युवती की मौत हो गई, जबकि युवक की हालत नाजुक है। घटना से घरों में रोना पिटना मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के चांदपुर हरबंस गांव की है। गांव निवासी राकेश कुमार के बेटी श्वेता कुमारी उर्फ रानी (20) ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह इंटरमीडिएट की छात्रा थी।

इसके अलावा गांव के ही अजय गौड़ के बेटे मनीष गौड़ ने फांसी लगा ली। घरवालों ने देखा तो उसे उतारकर आनन फानन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां हालत नाजुक देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने दवी जुबान दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चलने की बात कही। हालांकि कोई खुलकर बात करने को तैयार नहीं हुआ। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

लोकायुक्त के निर्देश पर वित्तीय अनियमितता की शिकायत जांच शुरू

संवाददाता–संतकबीरनगर। साथा विकास खंड के अगियौना में वित्तीय अनियमितता की जांच सोमवार को की गई। लोकायुक्त के निर्देश पर तहसीलदार और सहायक अभियंता ने मौके का निरीक्षण किया। शिकायतकर्ता शिवसागर पासवान ने ग्राम पंचायत में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया था। उन्होंने 34 बिंदुओं पर गंभीर आरोप लगाए थे। इनमें बिना काम के भुगतान और एक ही व्यक्ति के खाते में कई बार भुगतान करने जैसे मामले शामिल थे। शिकायतकर्ता ने शपथ पत्र के साथ लोकायुक्त को शिकायत की थी।

लोकायुक्त ने जिलाधिकारी को टीम गठित कर जांच का निर्देश दिया। तहसीलदार मेंहदावल आनंद कुमार ओझा और सहायक अभियंता नलकूप खंड अमरनाथ टीम के साथ गांव पहुंचे। उन्होंने राम अजोर के घर के सामने हैंडपंप रिबोर का निरीक्षण किया। ग्रामीणों से भी पूछताछ की गई।

तहसीलदार ने बताया कि हैंडपंप रिबोर के अलावा शेष 33 बिंदु भुगतान से जुड़े हैं। इनकी जांच के लिए फोटो और अन्य विवरण मांगे गए हैं। जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता शिवसागर, सचिव आनंद कुमार, ग्राम प्रधान परशुराम चौरसिया, टीए महेन्द्र नाथ राय समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 46/2025
अरबुन्निशाँ –सायलान

1. अरबुन्निशाँ पत्नी अलाउद्दीन पुत्री बैतुल्लाह सिद्दीकी निवासी ग्राम भाटपारा (बलईपुर) तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 2. आयशा पत्नी अब्दुल अलीम पुत्री बैतुल्लाह सिद्दीकी निवासी 655/609, गन्ने का पुरवा टेढ़ी पुलिया आदिलनगर, विकास नगर लखनऊ 3. अरसुन्निशाँ पत्नी मो0 सईद पुत्री बैतुल्लाह सिद्दीकी नि0 ग्रा0 प्रसादपुर तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 4. मरयम पुत्री बैतुल्लाह सिद्दीकी ग्राम व पोस्ट हटवा बाजार तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला–बस्ती (समस्त आवेदक/ सायलान)

तारीख पेशी 16–04–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुस्म्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुस्म्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुस्म्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजराती है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 16–04–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 10/2025
राजेश –सायलान

1. राजेश उम्र करीब 34 साल 2. सुनील उम्र करीब 30 साल 3. मनोज कुमार उम्र करीब 32 साल पुत्रगण राम सागर ग्राम बसेवाराय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–04–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुस्म्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुस्म्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुस्म्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजराती है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–04–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल-bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com